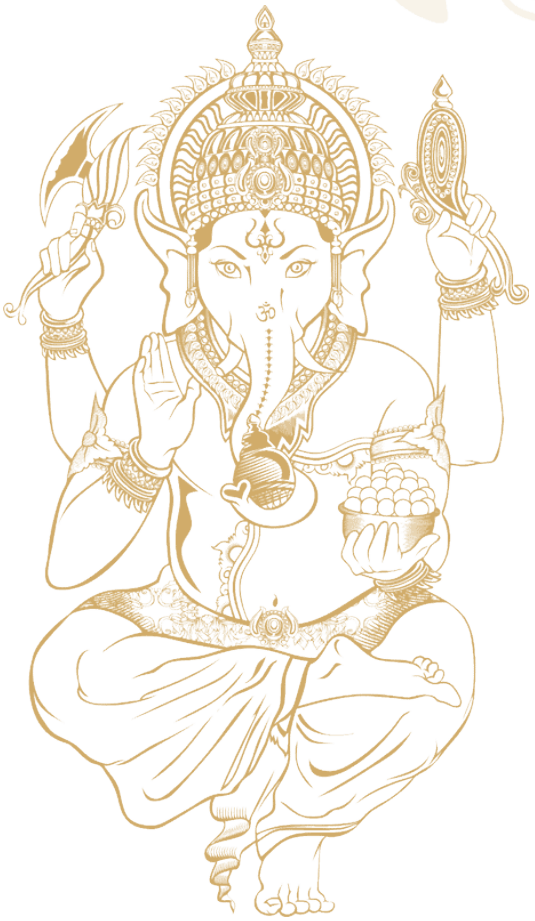

vaibhav Rashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121321505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/09/1990	जन्म तिथि	02/06/1998
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:52:00	जन्म समय	16:35:00 घंटे
घटी 39:40:07	जन्म समय(घटी)	27:58:22 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Jammu
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:57	सूर्योदय	05:23:37
18:40:44	सूर्यास्त	19:33:34
23:43:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 7मा 17दि	23:37:04	मेष	लग्न	तुला	11:33:16	शुक्र 6वर्ष 8मा 18दि
गुरु	17:10:46	सिंह	सूर्य	वृष	17:53:25	मंगल
21/04/2012	29:44:58	मक	चंद्र	सिंह	22:11:21	18/02/2021
21/04/2028	07:49:57	वृष	मंगल	वृष	12:45:32	19/02/2028
गुरु 10/06/2014	25:47:22	सिंह व	बुध	वृष	08:28:55	मंगल 17/07/2021
शनि 21/12/2016	09:38:21	कर्क	गुरु	मीन	01:03:10	राहु 05/08/2022
बुध 29/03/2019	01:44:40	सिंह	शुक्र	मेष	10:13:18	गुरु 12/07/2023
केतु 04/03/2020	25:16:58	धनु व	शनि	मेष	05:28:39	शनि 20/08/2024
शुक्र 03/11/2022	13:17:30	मक व	राहु व	सिंह	11:38:02	बुध 17/08/2025
सूर्य 22/08/2023	13:17:30	कर्क व	केतु व	कुंभ	11:38:02	केतु 13/01/2026
चन्द्र 21/12/2024	11:55:17	धनु व	हर्ष व	मक	18:48:31	शुक्र 15/03/2027
मंगल 27/11/2025	18:10:32	धनु व	नेप व	मक	08:06:39	सूर्य 21/07/2027
राहु 21/04/2028	21:40:45	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	12:43:08	चन्द्र 19/02/2028

लग्न-चलित

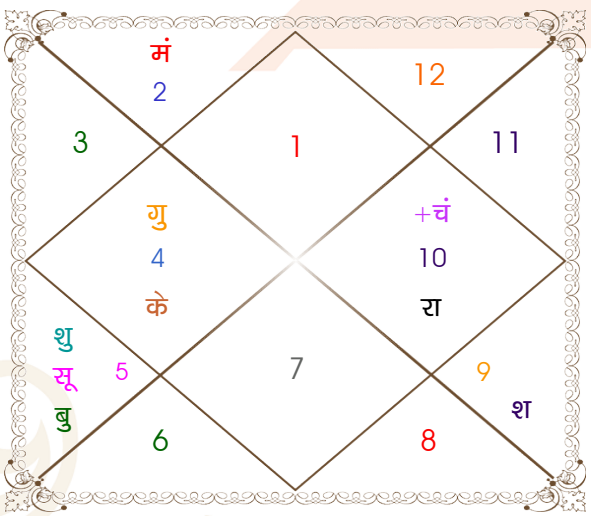

लग्न-चलित

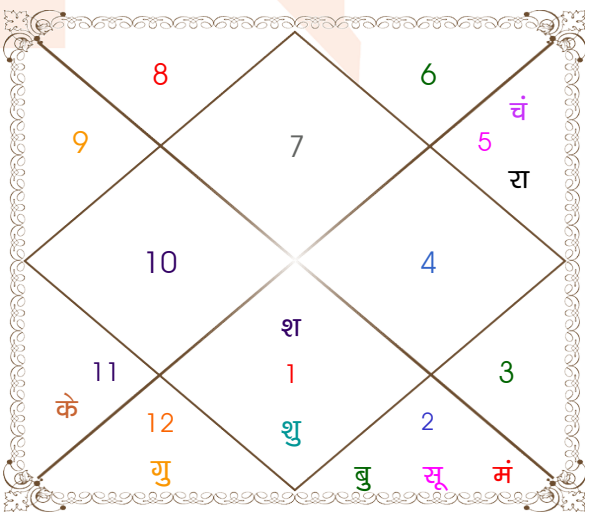

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	4.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

अंपईंअ का वर्ग मार्जार है तथा तैप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार अंपईंअ और तैप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

अंपईंअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

तैप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अंपईंअ तथा तैप में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक एवं अष्टकूट गुण न मिलने के कारण दोनों का मिलान बिल्कुल ठीक नहीं हैं।